एकल भारत लोक शिक्षा परिषद्

(एकल अभियान ट्रस्ट से संबंधित)

एकल संदेश, महिला समिति

अप्रैल –जून, 2022

त्रैमाषिक
षष्टम संस्करण

हमारे एकल के तपस्यारत सेवाव्रती कार्यकर्त्ता

श्री माधवेंद्र सिंह जी
महमंत्री
केन्द्रीय कार्यकारिणी
एकल अभियान

एकल अभियान का उद्देश्य एकल के अनेको कार्यकर्ताओं के मन में राष्ट्रभक्ति का भाव भरना है।

एकल संदेश के माध्यम से समाज में सकारात्मक संदेश देने का कार्य किया जा रहा है। **यह प्रत्येक नगरवासी के मन में ग्रामवासी के प्रति आत्मीयता का भाव जगाने का कार्य कर रहा है** तथा भारत के गाँव-गाँव में शिक्षा का भाव जगाते हुए ग्रामीण एवं पिछड़े हुए लोगों को आत्मनिर्भर बनाना है। हमें देश की एकता और अखंडता की रक्षा के लिए निरंतर तत्पर रहना होगा, तभी हमारा देश पूरी तरह से सशक्त होकर आगे बढ़ सकेगा।

देश के बुनियादी विकास को मजबूत करने के लिए शिक्षा ही एक ऐसा माध्यम है जिससे हम राम राज्य के अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते है। समाज का प्रत्येक व्यक्ति शिक्षित होना चाहिए ताकि वह आत्मनिर्भर बन कर अपना जीवन यापन कर सके और आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक बन सके। मैं आप सभी से आग्रह करता हूँ कि एकल के इस पुनीत कार्य में अधिक से अधिक जुड़ें और इस सामाजिक कार्य को मजबूत बनायें।

श्री दीप कुमार जी
केंद्रीय आरोग्य योजना
व सह अभियान प्रमुख
एकल अभियान

दुनिया में सभी जीव तब तक सुख की अनुभूति नहीं कर सकते जब तक स्वास्थ्य ठीक न हो। हमारा देश गांव का देश है यहां पर रहने वाली 130 करोड़ जनसंख्या जिसका लगभग 70% जनसंख्या का भाग गांव में रहता है और 30% लोग शहरों में रहते हैं। लगभग 4 लाख ऐसे छोटे-छोटे गांव हैं जिसमें लगभग 40 करोड़ का समाज हमारे देश का रहता है। बड़े व छोटे शहरों का समाज स्वास्थ्य के प्रति जागरूक है, लेकिन 40 करोड़ ग्राम समाज तक भी स्वास्थ्य जागरूकता का विषय पहुचाना कि "स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा धन है"। एकल अभियान आरोग्य योजना के माध्यम से गांव-गांव में प्रवेश कर रहा है। आरोग्य योजना का मुख्य उद्देश्य है " स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत व सम्पन भारत" है । हमें यह जानना आवश्यक है कि आखिर बीमारियों का जन्म किन कारणों से होता है । कार्यकर्ताओं के सर्वेक्षण व अनुभव के आधार पर निम्नलिखित कारण ध्यान में आये :- 1) स्वच्छता का अभाव। 2) नियमित दिनचर्या का अभाव। 3) संतुलित व पौष्टिक भोजन न होना 4) स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही 5) वनौषधियों व नानी-दादी के नुस्खों का विस्मरण।

।... आज आरोग्य योजना का लक्ष्य : - "जहां बीमार वहीं उपचार"

1). स्वच्छता के प्रति जागरूकता 2) व्यक्तिगत स्वच्छता 3) सामुदायिक स्वच्छता। 4) गांव में कचरा गड्ढे का निर्माण करवाना । 5) आवश्यकता अनुसार सोख्ता गड्ढे बनवाना। 6) प्रत्येक परिवार में लोहे की कढ़ाई का उपयोग करवाना। 7) वनौषधियों वाटिका का निर्माण । 8) प्रत्येक परिवार में तुलसी पौधा लगवाना। 9) प्रत्येक गांव में युवाओं के माध्यम से योग तथा उसके माध्यम से शक्ति केन्द्र स्थापित करना। 10) आयुर्वेद, वनौषधियों तथा घरेलू नुस्खों को पुनः स्थापित करना। 11) विशेष क्षेत्रों मे आरोग्य संसाधन केंद्रों के माध्यम से ग्रामीण समाज में स्वास्थ्य लाभ पहुंचाना व जागरूकता लाना।

॥...योग, आसन एवं व्यायाम द्वारा उपचार : योग दिवस 21 जून 2022 को एकल के 64 हजार, गांवों में 80 लाख से अधिक लोगों ने अन्तराष्ट्रीय योग दिवस मिलकर मनाया एवं आयुष मंत्रालय को सूचित किया।

आईये हम सब मिलकर सभी रोगों से मुक्त करते हुये स्वस्थ भारत का निर्माण करें ।

श्री ओमप्रकाश शर्मा जी
केन्द्रीय प्रशिक्षण प्रमुख
प्राथमिक शिक्षा
एकल अभियान

एकल पंचमुखी शिक्षा का प्रथम आयाम प्राथमिक शिक्षा है। इससे जुड़े कार्यकर्ता बनवासी ग्रामीण समाज के सामान्य शिक्षित कार्यकर्ता होते हैं उन्हें लगातार प्रशिक्षण के द्वारा सक्षम कार्यकर्ता बनाया जाता है। पंचमुखी शिक्षा का प्रथम आयाम प्राथमिक शिक्षा है। प्राथमिक शिक्षा से जुड़े कार्यकर्ता वनवासी ग्रामवासी समाज के सामान्य शिक्षित कार्यकर्ता होते हैं, परन्तु उनमें निष्ठा व समर्पण की कमी नहीं होती है। उन सामान्य कार्यकर्ताओं के निरन्तर एवं सतत प्रशिक्षण के माध्यम से सक्षम कार्यकर्ता बनाया जाता है। किसी भी संगठन में कार्यकर्ताओं की प्राप्ति समाज से ही करनी होती है। समाज से दो प्रकार के कार्यकर्ता प्राप्त होते हैं-प्रथम अधिक योग्य पर संगठन के प्रति निष्ठा एवं समर्पण की कमी। द्वितीय-कम योग्य पर संगठन के प्रति पूर्ण निष्ठा से समर्पित कार्यकर्ता। पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण वाले कार्यकर्ताओं में प्रशिक्षण के माध्यम से योग्यता की कमी को दूर किया जा सकता है परन्तु कम निष्ठा एवं समर्पण वाले कार्यकर्ता के अन्दर निष्ठा का निर्माण सम्भव नहीं होता है। केंद्रीय कार्यालय की एवं आचार्यों के प्रशिक्षण, डिजिटिलाईजेशन को ध्यान में रखकर ई-शिक्षा का प्रशिक्षण केंद्र से लेकर संच प्रमुख तक पूर्ण हो गई है। और सभी वर्गों को स्वावलंबी किया जा रहा है। यथा संभव पीपीटी का प्रयोग भी किया जा रहा है।

ग्रामीण भारत की विकास धारा बन चुकी है ..... एकल ग्रामोत्थान योजना

डॉ ललन कुमार शर्मा जी
केंद्रीय सह-अभियान प्रमुख
एवं केंद्रीय ग्रामोत्थान
योजना प्रमुख

ग्रामीण भारत की वर्तमान की बिगड़ी हुई विकास की दिशा को सही दिशा देने एवं ग्रामीण अर्थ व्यवस्था को पुनः स्वावलंबी बनाकर गांव से युवाओं का पलायन रोकने के मूल उद्देश्य के साथ एकल ग्रामोत्थान का कार्य गत छः वर्षों से चलाया जा रहा है।

गौ आधारित खेती एवं खेती आधारित ग्रामोद्योग की स्थापना को केंद्र बिंदु बनाकर विभिन्न कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं –

1. **शुद्ध आहार हेतु :-** जैविक खेती का प्रसार। **ग्रामोत्थान योजना के प्रयास से अब तक 2,09,265 एकड़ में जैविक खेती हो रही है।**
2. **कुपोषण से मुक्ति हेतु :-** पोषण वाटिका ग्रामीण बच्चों एवं महिलाओं को कुपोषण से मुक्ति के लिए घर-घर में अब तक 1,60,979 पोषण वाटिका लगाई जा चुकी हैं।
3. **महिला सशक्तिकरण अभियान :-** लड़कियों एवं महिलाओं के स्वावलंबन के लिए ब्यूटीशियन, मेहंदी एवं कई प्रकार के आर्ट क्राफ्ट के कार्य भी प्रारंभ किए जा रहे हैं। अब तक चलाए जा रहे कुल 115 सिलाई प्रशिक्षण केंद्रों से 17,284 लड़कियां प्रशिक्षित हो अपने गांव क्षेत्रों में ही स्वरोजगार कर रही हैं।
4. **कंप्यूटर शिक्षा कार्यक्रम :- वर्तमान में 34 कंप्यूटर लैब एवं 41 एकल ऑन व्हील (EOW) संचालित हो रहे हैं,** जिसके माध्यम से 28,518 युवक एवं युवतियों को कंप्यूटर प्रशिक्षित किया गया है।
5. **स्वरोजगार :-** ग्रामीण भारत को आत्मनिर्भर बानाने हेतु मोटर साईकिल मरम्मत, इलेक्ट्रियन, प्लंबिंग तथा एसी एवं कूलर मैकेनिक आदि तकनीकी प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं।

एकल अभियान के तहत सवा लाख गांवों में प्रत्यक्ष कार्य करने वाला यह संगठन केवल भारत ही नहीं पूरी दुनियां में आज अकेला एवं अद्वितीय है। इससे जुड़कर मैं एक आत्मसंतुष्टि महसूस करता हूँ। **आएये एकल के साथ चलें।**

श्री रामचन्द्र वर्मा जी
केंद्रीय ग्रामस्वराज
योजना प्रमुख

भारत गांवो का देश है, युवाओं का देश है। यदि भारत का गांव मजबूत होगा सशक्त होगा निश्चित ही देश सशक्त होगा। इसी संकल्पना को साकार करते हुए एकल अभियान ग्राम स्वराज योजना के माध्यम से हिंदुस्तान के ग्रामीण व पिछड़े क्षेत्रों में गांव की आर्थिक,सामाजिक उन्नति हेतु प्रयासरत है जिससे जागरूक समाज का निर्माण हो सके।

सरकार की विभिन्न योजनाएं- जीवन ज्योति योजना, जीवन सुरक्षा योजना, जन-धन योजना, आधार, व्यसन मुक्ति, शराब, तंबाकू, आरटीआई, शहरों की ओर पलायन को रोकना आदि... इनके प्रति ग्रामीण लोगों को जागरूक करना हमारा उद्देश्य है। अज्ञानता को खत्म करना इस हेतु से ग्राम स्वराज मंच हिंदुस्तान के सभी ग्रामीण क्षेत्रों को एक माला में पिरोने का कार्य कर रहा है। जिस दिन हिंदुस्तान का गांव जागृत हो जायेगा उस दिन देश जागृत हो जायेगा क्योंकि भारत की आत्मा गांव में बसती है। किसी समाज या राष्ट्र का सम्यक विकास तभी संभव है जब वह समाज स्वाभिमानी हो इसलिए गांव के विकास के लिए ग्राम स्वराज योजना के माध्यम से ग्रामवासियों के स्वाभिमान को जागृत कर गांव-गांव में स्वराज स्थापित करने हेतु ग्राम स्वराज योजना संकल्पबद्ध है।

श्री जीतू पाहन जी
केंद्रीय सह-अभियान प्रमुख
एवं केंद्रीय प्रमुख संस्कार
शिक्षा

विश्व की आत्मा संस्कृति में बसती है और संस्कृति की आत्मा भारत में बसती है। भारत की आत्मा गांवों में बसती है और गांव की आत्मा सत्संग में बसती है। हम गांव को शक्ति केंद्र बनाना चाहते हैं और गांव को शक्ति केंद्र बनाकर राष्ट्र को शक्तिशाली बनाना चाहते हैं , इसी कल्पना को लेकर आज से 26 वर्ष पूर्व 1996 में एकल श्रीहरि संस्कार शिक्षा का जन्म हुआ ।

1.) संपूर्ण देश में सामाजिक एवं सांस्कृतिक चेतना जागृत कर संस्कारित समाज का निर्माण कर वैभवशाली राष्ट्र बनाना। 2.) कथा के माध्यम से समिति विस्तारक बनाकर नियमित सत्संग केंद्र स्थापित करना और सत्संग के माध्यम से व्यसनमुक्ति और सामाजिक भेदभाव को दूर करना। 3.) वनवासी-जनजातीय समाज का सांस्कृतिक जन जागरण करके राष्ट्र को आंतरिक सुरक्षा प्रदान करना।

संस्कार शिक्षा के अंतर्गत कथाकार योजना और श्रीहरि रथ मंदिर योजना को लेकर गांव में सांस्कृतिक संवर्धन का कार्य कर रही है।

कथाकार योजना:- जो भाई-बहन अपने धर्म संस्कृति, लोक संगीत में रुचि रखते हो जिनकी उम्र सीमा 18 से 35 वर्ष के बीच हो उनका चयन कर 9 माह व्यास कथाकार का सघन प्रशिक्षण देकर व्यास कथाकार निर्माण करते हैं। अयोध्याधाम, वृंदावनधाम, नवद्वीपधाम, नडियाद, नासिक, नागपुर, हरिद्वार इस तरह से देश भर में 18 प्रशिक्षण केंद्र संचालित हो रहे हैं।

श्रीहरि मंदिर रथ योजना:- संस्कार शिक्षा के अंतर्गत देशभर में 61 श्रीहरी मंदिर का संचालन सुदूर वनवासी समाज के सांस्कृतिक विकास के तहत सांस्कृतिक जन जागरण करने का कार्य किया जा रहा है। जब गांवों में श्रीहरि मंदिर रथ में विराजमान होकर भगवान श्रीराम, श्रीकृष्ण गांव में आते हैं तो लोग उत्साह पूर्वक दर्शन करते हैं और पूरे गांव में उत्साह और आनंद का वातावरण बन जाता है। जय श्री राम

श्री खेमानन्द सापकोटा जी
केंद्रीय सह-अभियान प्रमुख
एकल अभियान

कृष्ण हमको अब बनना होगा।

हे भारत के वीर जवानों, आज तुमको जगना होगा?
मां का दु:ख दूर करने को, शौर्य अपना दिखाना होगा।

हर द्रोपदी की लाज बचाने, अब तो आगे बढ़ना होगा।
पापियों का वजूद मिटाने, दिव्य रुप अब दिखाना होगा।

आतंक चरम पर है पहुंचा, सरेआम गला रेत रहे,
गीता ज्ञान मिला है फिर भी, अर्जुन आज कहाँ लेट गए,

हमको धर्म की खातिर फिर से, सुदर्शन चक्र उठाना होगा।
भारत मां का दु:ख दूर करने, कृष्ण हमको अब बनना होगा।

श्री मनोहर लाल जी
केंद्रीय प्रमुख, कार्यकर्ता विभाग
एकल अभियान

कार्यकर्ता विभाग की, हमारे अभियान में सभी लोग कार्य की चर्चा करते है और चिंता भी व्यक्त करते है उनका और उनके परिवार का ध्यान भी रखना अति आवश्यक है। कभी हमने विचार किया कि आज के भौतिक युग में जब चारों ओर अर्थ हेतु दौड़ लग रही है तब भी हमारे 6 हजार पूर्णकालीन कार्यकर्ता क्यों अपना समय अभियान को दे रहे हैं। यदि धन ही उनका आकर्षण का केंद्र होता तो न जाने कितने प्रलोभन उनके सम्मुख थे। **कार्यकर्ताओं ने समय दिया है तो अपने ग्राम, समाज, देश और संस्कृति की रक्षा एवं सम्मान के लिए, तो उनके इस समर्पण को मान्यता देना आवश्यक है**। किसी भवन की ओर देख कर सोचिए कि इतना बड़ा भवन किस के बल पर खड़ा है तो ध्यान में आएगा उस नींव की..... जो दिख नहीं रही है। इसी प्रकार कोई भी छत टिकती है लोहे की छड़ों पर जो दिखते नहीं है। उन सेवाव्रती कार्यकर्ताओं की संभाल एवं विकास के लिए ही कार्यकर्ता विभाग का गठन किया गया है।

उद्देश्य –

1- सभी सेवाव्रती पूर्ण उत्साह से अभियान के उद्देश्य के प्रति समर्पित हो कर काम करें।
2- जिन कार्यकर्ताओं के लिए एकल जीवन लक्ष्य है, उनके परिवारों के सम्मान की रक्षा करना।
3- सेवाव्रतियों की क्षमता तथा समर्पण का नियमित मूल्यांकन करना।

अनुभव कथन (कार्यकर्ता)

कुमारी करुणा जी
केंद्रीय प्रमुख, एकल सुर ताल

मैं एकल अभियान में 2015 से जुड़ी हूँ। मैंने अयोध्या जी धाम से, संगठन अनुसार श्री राम कथा का 9 महीने का गहन प्रशिक्षण लिया। **28 अप्रैल 2016 में एकल अभियान के प्रेरणा स्रोत, हम सब के मार्गदर्शक माननीय श्याम जी गुप्त के साथ पूरे भारत के 16 प्रांतों, जिसमें कि राजस्थान, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, झारखंड आदि स्थानों पर अंचल सम्मान कार्यक्रम के माध्यम से प्रवास हुआ**। जिसका प्रारंभ कृष्ण की नगरी वृंदावन के गोवर्धन से हुआ।

फिर मेरे जीवन में एक दिन ऐसा आया जिसकी हम वनवासी, एक छोटे से गांव में रहने वाले लोग कल्पना भी नहीं कर सकते हैं। वो है....2 फरवरी 2020.... में मुझ जैसे सामान्य कार्यकर्ता को हवाई जहाज में बैठ करके एकल के कार्य के लिए अमेरिका जैसे देश में जाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

अभी वर्तमान में मुझे केंद्रीय एकल सुर ताल टीम के प्रमुख का दायित्व मिला है और साथ ही एकल सुर ताल टीम में संगीत, नृत्य और अभिनय में कृष्ण की भूमिका निभा रही हूं। परंतु आज मुझे गर्व होता है कि एकल परिवार में जुड़कर मैं कार्य कर रही हूं। जिसने मेरे हृदय में राष्ट्र के प्रति कुछ करने की प्रेरणा दी है। एकल अभियान, एक अभियान ही नही बल्कि एक परिवार भी है और वनवासी समाज की आवाज तथा ताकत है।

अनुभव कथन (समिति)

श्रीमती मोहिनी जी (श्री हरि सत्संग, एकल परिवार)

योग दिवस के खट्टे मीठे अनुभव: 21 जून को योग दिवस पर ग्राम सुनैड़ा, संच खेकड़ा जाने का सुअवसर प्राप्त हुआ। सुबह-सुबह ग्राम की ओर प्रस्थान हुआ। वहाँ पहुँच कर दशकों बाद जाना कि पंछियों की चहचहाहट क्या होती है। बस उस चहचहाहट ने ही मन मोह लिया। योग दिवस भली भाँति संपन्न हुआ। 80-90 के मध्य लोग उपस्थित रहे। वहाँ मेरी आयु के वृद्ध स्त्री पुरुष थे। युवती-युवक और ढ़ेर सारे बच्चे थे। गाँव की माटी से जुड़ने का इससे अच्छा अवसर नहीं हो सकता था। भाई जतिन जाने माने योगाचार्य योग के साथ सबको जोड़े हुए थे। सब से बात चीत हुई। अपने मुँह को घूँघट में छिपाए स्त्रियों से भी। युवतियों से भी। बालगोपाल से भी। आनन्द की सीमा न थी। मेरा सुख तो यूँ भी दुगना हुआ जा रहा था। नंगे पैर माटी पर खड़ी हुई तो मन मस्तिष्क तक ठंडक का अहसास हो रहा था। कारण विशेष था। खेकड़ा मेरी जन्मस्थली है। लगता था कि दादी-बाबा से मिल रही हूँ। स्वर्गिक आनन्द का पल था। एक राजनीतिक अनुभव भी मिला। ग्राम के सरपंच RLD पार्टी के थे। मोदी के प्रोग्राम में आना उनके लिए वर्जित था। मन सोचने को विवश था कि क्या संस्कृति का बँटवारा, मानव- मानव का बँटवारा, हिन्दू का बँटवारा राजनीति ने कर दिया है। मन को चोट लगी। मन ने और कड़ा निश्चय किया कि इस स्थिति को बदलने का समय आ गया है। एकल परिवार को ही इसका भार उठाना होगा।

जम्मू संभाग

श्री विजय कुमार जी
संभाग प्रमुख, जम्मू

संभाग, जम्मू
↓
राजौरी भाग (1 अंचल)
↓
अखनूर

जम्मू संभाग के सुदूर पहाड़ों में एकल अभियान के पहुंचने से लोगों को बहुत सारे परिवर्तन आए हैं। शिक्षा के साथ-साथ बच्चों को संस्कार भी मिल रहा है। **छोटे-छोटे बच्चे स्कूल जाने से पहले अपने माता-पिता के चरणों को स्पर्श करके आशीर्वाद लेकर जाते हैं। भाग राजौरी के बहुत सारे गांव नशा-मुक्त गांव बन गए हैं। इसके अलावा एकल ग्रामोत्थान के द्वारा गांव-गांव में एकल ऑन व्हील के माध्यम से बच्चों को कंप्यूटर का प्रशिक्षण देकर प्रमाण पत्र भी जारी किए जा रहे हैं।** लोगों को एकल के माध्यम से अनेक प्रकार के प्रशिक्षण भी दिया जा रहे हैं जिससे **स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिल रहा है।** नगर संगठन एवं गांव के लोगों का आपस में समन्वय हो रहा है, नगर के लोग गांव के लोगों की पूरी चिंता और देखभाल कर रहे हैं।

उत्तरी हिमाचल संभाग

श्री अजय राणा
संभाग प्रमुख, उत्तर हिमाचल

मैं वर्ष 2002 में एकल अभियान से आचार्य के रूप में जुड़ा। समय के साथ अलग अलग दायित्व का निर्वाहन करते हुए वर्तमान में संभाग अभियान प्रमुख का दायित्व पर कार्य कर रहा हूँ। अभियान के ग्राम में सर्वांगीण विकास की योजना और राष्ट्रीय सेवा में योगदान देने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस अभियान से जुड़ कर अपना स्वयं का बहुत विकास हुआ।

समाज में शिक्षा के माध्यम से ज्ञान का प्रकाश फैलाने में ओर ऐसे सदूर गामीण वनांचलों में कार्य करने और अपनी भारतीय संस्कृति को बहुत करीब से जानने ओर समझने का अवसर मिला। मैं आजीवन इसी प्रकार से अभियान के साथ जुड़ कर अपनी सेवा प्रदान करता रहूंगा।

(अजय राणा जी को उच्च पद पर नौकरी करने का अवसर भी प्राप्त हुआ था, परन्तु उन्होंने उसे छोड़कर एकल को चुना क्योंकि राष्ट्रसेवा सर्वोपरि है)

उत्तरी हिमाचल संभाग

कुल्लू भाग (5 अंचल)	बिलासपुर भाग (4 अंचल)	नूरपुर भाग (6 अंचल)	पालमपुर भाग (5 अंचल)
• बंजार	• सरकाघाट	• भट्टियात	• देहरा
• लाहौल स्पीति	• बिलासपुर	• चंबा	• जोगिंदर नगर
• मनाली	• नैना देवी	• नगरोटा सूर्या	• कांगड़ा
• मंडी	• घुमारवी	• नूरपुर	• पालमपुर
• सुंदर नगर		• भरमौर	• जयसिंह पुर
		• भजराडू	

दक्षिणी हिमाचल संभाग

श्री सुनील ठाकुर
संभाग प्रमुख, दक्षिणी हिमाचल

मैं सुनील ठाकुर 2010 से पूर्णकालिक कार्यकर्ता के रूप में एकल से जुड़ा हुआ हूँ, संभाग प्रमुख के रूप में कार्य कर रहा हूं। एकल से जुड़ने के बाद नए-नए लोगों का साथ मिला उनके साथ कार्य करने का अवसर मिला। वे हमारे अच्छे कार्यों की सराहना भी करते थे और हमारा मनोबल भी बढ़ाते थे। काम करने में कठिनाइयां भी बहुत सारी आती थी लेकिन मन का विश्वास और अधिकारियों का मार्गदर्शन हर काम को सफल कर देता था। 2016 में अंचल परिणाम कार्यक्रम के दौरान बहुत कुछ सीखने को मिला साथ में समाज के लिए कार्य करने की एक नई प्रेरणा जगी। कार्यक्रम को सफल बनाना और उसके लिए परिश्रम और कार्यकर्ता की मेहनत ने कार्यक्रम को सफल बना दिया। **आज पूरे समाज में जो मान सम्मान मिल रहा है, वह एकल के कारण है।**

एकल में जुड़कर कार्य करने के बाद जो संतोष मिला वो और कहीं नही मिलता है।

दक्षिणी हिमाचल संभाग

रामपुर भाग (4 अंचल)	शिमला भाग (3 अंचल)	शिरमौर (4 अंचल)
• अन्नी	• अटाला	• सिलाई
• किन्नौर	• चोपाल	• श्री रेणुका जी
• कुमारसेन	• रोहड़ू	• सोलन
• रामपुर		• राजगढ़

पश्चिमी उत्तर प्रदेश

श्री रंजीत सिंह
संभाग प्रमुख, पश्चिमी उत्तर प्रदेश

मैं रंजीत सिंह, एकल अभियान में 15 वर्ष पहले आचार्य के रूप में जुड़ा था। मैं बचपन से ही स्वयंसेवक रहा। **एकल परिवार मे जुड़ने के बाद हमारा मानसिक विकास हुआ राष्ट्र धर्म के प्रति रुचि और बढ़ी इसी के साथ लगन से एकल अभियान में सेवा के भाव से विभिन्न दायित्व पर रहकर अभियान में नि:स्वार्थ भाव से काम कर रहा हूं।** मेरे जीवन का ध्येय एकल अभियान बन गया है। वर्ष 2010 में उत्तर प्रदेश सचिवालय में मेरी नौकरी लगी परन्तु मेरा मन नही लगा और मैं उसे छोड़कर राष्ट्रसेवा हेतु एकल से जुड़ता चला गया।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश संभाग
↓
सहारनपुर भाग (4 अंचल)

नजीबाबाद	लक्ष्मी नगर	शामली	सहारनपुर

दक्षिणी उत्तर प्रदेश

श्री संजय सूर्या
संभाग प्रमुख, दक्षिणी उत्तर प्रदेश

भारत गांवों का देश है, भारत की आत्मा आज भी गांवों में बसती है। यदि भारत देश को पुनः विश्व गुरु के सिंहासन पर देखना है, तो सबसे पहले गांवों का सर्वांगीण विकास करना अत्यंत आवश्यक है। एकल अभियान उसी ओर कदम बढ़ा रहा है। मेरे संभाग का कार्यक्षेत्र जिसमे बुंदेलखंड के अत्यंत सुदूर, ग्रामीण, वनवासी गिरिवासी पहाड़ों आदि में लोग रहते हैं, ऐसे क्षेत्रों में **पंचमुखी शिक्षा के माध्यम से उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य, विकास, आत्मनिर्भर, जागृत के साथ-साथ संस्कारित करने का कार्य किया जा रहा है, जिससे हमारे क्षेत्र में काफी कुछ बदलाव भी आया है। राष्ट्र समर्पण के इस कार्य को मैं कभी छोड़ नही पाउँगा।**

दक्षिणी उत्तर प्रदेश संभाग
↓
बुंदेलखंड भाग(2 अंचल)

कानपुर	महोवा

एकल होली मंगल मिलन

श्रीमती सोनल रासीवासिया जी, (प्रधान,राष्ट्रीय महिला समिति) द्वारा नॉएडा के सेक्टर-47 में होली मंगल मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 45 महिलाएं शामिल हुई।

सभी महिलाओं ने गुलाल लगाकर एक दूसरे को होली की बधाई दी। इस कार्यक्रम में महिला समिति को मजबूत करने के लिए कई नयी बहनों को भी एकल से जोड़ा गया।

मकर संक्रांति उपहार योजना

एकल भारत लोक शिक्षा परिषद्, राष्ट्रीय महिला समिति द्वारा प्रति वर्ष मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर एकल के लिए समर्पित पूर्णकालिक कार्यकर्ताओं को उपहार देकर उनका सम्मान किया जाता है। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी एकल के कार्यकर्ताओं को उपहार स्वरुप गर्म शाल प्रदान किये गए।

दक्षिणी दिल्ली चैप्टर (कवि सम्मेलन)

दक्षिणी दिल्ली चैप्टर द्वारा 13 मार्च 2022 को सत्य साई ऑडीटोरियम, लोधी रोड में कवि सम्मलेन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में महिला समिति ने भरपूर योगदान दिया। महिला समिति ने सभी आगंतुकों को तिलक लगाकर स्वागत किया। राष्ट्रीय महिला समिति एवं चैप्टर की महिला समिति ने मिलकर एकल गीत प्रस्तुत किया और इस कार्यक्रम में बढ़ चढ़ कर भाग लिया और इस कार्यक्रम को सफल बनाया।

पूर्वी दिल्ली चैप्टर
(ग्राम एवं नगर संगठन के मध्य समन्वय)

विवेकानंद स्कूल एवं एकल सुर एकल ताल के टीम द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम

एकल सुर ताल कार्यक्रम रविवार, 5 जून 2022 को विवेकानंद पब्लिक स्कूल, डी-ब्लॉक, आनंद विहार में किया गया। दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। महिला समिति की अध्यक्षा श्रीमती सोनल रासीवासिया जी, पूर्वी दिल्ली चैप्टर की महिला समिति एवं अन्य सहयोगियों द्वारा एकल गीत प्रस्तुत किया गया। ग्राम संगठन एवं नगर संगठन का बहुत ही सुंदर समन्वय रहा। इस कार्यक्रम में आये हुए कई दानवीर शिक्षा प्रेमियों का सम्मान किया गया। साथ ही कई अन्य दानदाताओं ने अपने-अपने सामर्थ्य के अनुसार एकल विद्यालय के लिए सहयोग किया।

कानपुर चैप्टर (प्रसिद्ध कवि एवं लेखक श्री मनोज मुंतशिर कार्यक्रम एवं वनयात्रा)

एकल भारत लोक शिक्षा परिषद्, कानपुर चैप्टर द्वारा वार्षिकोत्सव कार्यक्रम **'एक शाम एकल के नाम' प्रसिद्ध कवि एवं लेखक श्री मनोज मुंतशिर जी द्वारा 10 अप्रैल 2022 को** कानपुर, में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में महिला समिति द्वारा श्रीमती अनुराधा वार्ष्णेय जी एवं टीम द्वारा सभी आगंतुकों का भव्य स्वागत किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 500 लोग शामिल हुए। 11 अप्रैल को चित्रकूट अंचल के कर्वी संच के भाभई गांव की वनयात्रा भी की गयी जिसमें दिल्ली एवं कानपुर से 60 लोग शामिल हुए।

EBLSP द्वारा (पूज्य भाई श्री रमेश भाई ओझा जी के आशीर्वचन)

एकल भारत लोक शिक्षा परिषद्, राष्ट्रीय महिला समिति ने एकल समर्पण सम्मान समारोह में पूज्य भाई श्री रमेश भाई ओझा जी की उपस्थिति में एकल गीत गाया। राष्ट्रीय महिला समिति द्वारा इस कार्यक्रम में बढ़ चढ़ कर भाग लिया गया। इस कार्यक्रम में शामिल होकर सभी ने पूज्य भाईश्री के अमृत वचनों का भरपूर आनंद लिया।

एकल अभियान : प्रेरक पहल

आइए आपको परिचय कराते हैं, भारत कि सनातन संस्कृति से। समय था गृहप्रवेश का। कर्मकाण्ड के उपरांत कन्या पूजन होना था। **इस बार कन्या पूजन में अपने एकल अभियान, एकल फ्यूचर द्वारा संचालित सरस्वती शबरी बस्ती से शिव-समाज की एक छोटी सी गुड़िया को माँ शक्ति के स्वरूप में स्थापित करके पूरे विधि-विधान के साथ पूजन किया गया।**

माँ शक्ति के बाल रूप में छोटी सी गुड़िया का श्रृंगार किया गया और पूजन किया गया। साथ ही शबरी बस्ती से आए प्रत्येक भाई बहन का भी पूजन किया गया। यही भारत है, यही भारत की संस्कृति है, यही भारत है जहाँ हर बाला देवी की प्रतिमा और बच्चा-बच्चा राम है, यही भारत है जहाँ मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम और माता शबरी के स्नेह ने राम-सेतु का निर्माण किया है। भारत वो देश है जहाँ की संस्कृति हमें हर दिन हर पल हर देवी स्वरूप में माँ की वंदना करने की शिक्षा देती है। शहरवासी एवं ग्रामवासी के बीच के इस स्नेह-सेतु को देख कर हृदय प्रफुल्लित हो गया और आँखो में स्नेह के आँसू आ गये।

लखनऊ चैप्टर : महिला प्रशिक्षण वर्ग

25 व 26 जून को मध्य उत्तर प्रदेश सम्भाग के लखनऊ भाग के लखनऊ अंचल के गोमती नगर स्थित महाराजा अग्रसेन पब्लिक स्कूल में दो दिवसीय 'महिला ग्राम संगठन' के प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया। वर्ग का उद्घाटन श्रीमती नम्रता पाठक जी द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। जिसकी अध्यक्षता महिला समिति की संरक्षिका श्रीमती आदर्श गोयल जी ने की। वर्ग में 16 बहिनों द्वारा 8 सत्रों में 18 विषय लिए गए। वर्ग में संच से आयी हुई 80 बहिनों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। समापन समारोह 26 जून, 2022 को मुख्य अतिथि दीदी स्वर्णलता जी द्वारा महिला समिति की संरक्षिका शिरोमणि जी की अध्यक्षता में किया गया। सम्पूर्ण वर्ग का संचालन राखी अग्रवाल जी द्वारा किया गया। श्रीमती सीमा अग्रवाल जी एवं श्रीमती कविता अग्रवाल जी के अथक परिश्रम से वर्ग संम्पन्न हो पाया वर्ग के माध्यम से 10 नए लोगों को अभियान से जोड़ा गया।

संपादक की कलम से...

माधुरी अग्रवाल
उपप्रधान
राष्ट्रीय महिला समिति

परम आदरणीय श्याम जी गुप्त (प्रणेता, एकल अभियान) एवं आदरणीया दीदी मंजूश्री जी (केंद्रीय संगठन मंत्री) जिन्होंने कठिन रास्तों में नन्ही-नन्ही पगडंडियां बनाकर हम सब नगरवासियों एवं ग्रामवासियों को जोड़ा, उन्हें हमारा सादर प्रणाम है।

प्रिय पाठक.....

आज पत्रिका में हमारी एक छोटी सी कोशिश है....हमारे कठिन तपस्यारत एकल सेवाव्रती कार्यकर्ताओं के बारे में कुछ जानकारी प्राप्त करने की .... इनकी कड़ी मेहनत से हमने दूर सुदूर क्षेत्रों...

उत्तर में हिमालय की पहाड़ियों एवं घाटियों, कश्मीर, लेह लद्दाख, लाहौल स्पीति को जोड़ते हुए

दक्षिण में तमिलनाडु, केरल से लेकर

पश्चिम में राजस्थान, गुजरात को लेकर

पूर्व में आसाम, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश तक पूरे भारत में सभी आदिवासी वनवासी क्षेत्रों में अपनी एक पहुंच बनाई है। और यह भारत को एक बनाने में एक बहुत बड़ा योगदान है।

आइए एकल से तन-मन-धन से जुड़कर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दें।

अपनी महिला समिति की सभी बहनों की ओर से, हमेशा सहयोग के लिए तत्पर EBLSP के ऑफिस स्टाफ का सहृदय धन्यवाद।

राष्ट्रीय महिला समिति धनसंग्रह: 2021-22

S. No.	No. Of Schools	Crowd Funding	Time Period
1	230	2,15,200	2021-2022
2	29	14000	April-May

सभी चैप्टर की महिला समिति की बहनों को सहृदय धन्यवाद। सभी के सहयोग से गत वर्ष का धन संग्रह का लक्ष्य प्राप्त करने में सफल हुए। जिसके लिए **श्रीमती दर्शना गोयल जी (अध्यक्षा) एवं सोनल रासीवासिया जी (प्रधान)** का अथक प्रयास एवं सहयोग प्राप्त हुआ। आशा है कि आगे भी आपसे इसी प्रकार सहयोग प्राप्त होता रहेगा। **आईये हम सब मिलकर 75 वीं आज़ादी का अमृत महोत्सव एकल के साथ मनाएं ।**

आगामी कार्यक्रम

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव
(महिला समिति द्वारा)14 अगस्त 2022

एकल रन
(एकल युवा द्वारा)28 अगस्त 2022

एकल श्रीराम कथा
(भारत लोक शिक्षा परिषद् द्वारा)
4 -11 सितंबर 2022

एकल विद्यालय के लिए सहयोग

वार्षिक सहयोग			
1 विद्यालय के लिए	₹ 22,000/–	30 विद्यालय के लिए	₹ 6.60 लाख
5 विद्यालयों के लिए	₹ 1,10,000/–	50 विद्यालयों के लिए	₹ 11 लाख
10 विद्यालयों के लिए	₹ 2,20,000/–	100 विद्यालयों के लिए	₹ 22 लाख

एकल अभियान से जुड़ने के लिए हमारी वेबसाइट www.blspindia.org पर सम्पर्क करें
एकल विद्यालय में सीधे दान हेतु सम्पर्क करें -

Bharat Lok Shiksha Parishad
A/C No: 467902050000186, Union Bank of India, IFSC Code : UBIN 0546798

आपके द्वारा एकल के लिए किए गए सहयोग से गरीब बच्चे संस्कार सहित शिक्षा प्राप्त करते है, जो आने वाले समय में राष्ट्र निर्माण में योगदान देंगे।

इस सहयोग राशि से आपके नाम से विद्यालयों का संचालन किया जाता है एवम् इन विद्यालयों की फोटोग्राफ भी समय–समय पर आपको **WhatApp** के माध्यम से संप्रेषित किए जाते है साथ ही आप इन विद्यालयों की वनयात्रा भी कर सकते है जिससे आपको बहुत ही सुखद अनुभव की प्राप्ति होगी।

प्रकाशक : एकल भारत लोक शिक्षा परिषद्
मुख्य संपादक- श्रीमती माधुरी अग्रवाल (उपप्रधान, राष्ट्रीय महिला समिति)
एन एस- 15,एफडी ब्लाक, पीतमपुरा, दिल्ली- 110034 (निकट पीतमपुरा मेट्रो स्टेशन, जगदीश मंदिर के साथ)
संपर्क सूत्र : 011 4752 3879, 9999399063
ई मेल : adm In Istrat Ion@blsp Ind Ia.org, Info@blsp Ind Ia.org, वेबसाइट : www.blsp Ind Ia.org